

लोकप्रिय लेकिन उद्देश्यपूर्ण बजट : अक्षत खेतान



हाल ही में प्रस्तुत किया गया केंद्रीय बजट एक विकसित भारत के निर्माण की दिशा में सरकार की सशक्त मंशा को दर्शाता है, जो निरंतर, अनुकूलनीय और दूरदर्शी संरचनात्मक सुधारों पर आधारित है। भारत की लगभग 7% की विकास दर, गरीबी में कमी और सरकारी योजनाओं का सीधा लाभ नागरिकों तक पहुँचाने की प्रतिबद्धता के साथ, यह बजट स्पष्ट रूप से आकांक्षाओं को उपलब्धियों में और क्षमता को प्रदर्शन में बदलने का लक्ष्य रखता है। बजट की मूल भावना विकसित भारत संवाद और युवा-शक्ति प्रेरित दृष्टिकोण से जुड़ी है, जिसे तीन स्पष्ट कर्तव्यों द्वारा दिशा दी गई है—आर्थिक विकास को गति देना और बनाए रखना, जन-आकांक्षाओं की पूर्ति करते हुए क्षमता निर्माण करना तथा सबका साथ, सबका विकास के विजन के अनुरूप समावेशी प्रगति सुनिश्चित करना। एयू कॉर्पोरेट एडवाइजरी एंड लीगल सर्विसेज, संस्थापक-अक्षत खेतान ने कहा। इस बजट की सबसे बड़ी विशेषता इसका गतिशील संरचनात्मक सुधारों पर जोर है। विभिन्न क्षेत्रों में एआई के उपयोग को फोर्स मल्टीप्लायर के रूप में अपनाने और केंद्र-राज्य स्तर पर चल रहे विनियमन-शिथिलीकरण प्रयास, सरकार के आधुनिक और व्यावहारिक नीति दृष्टिकोण को दर्शाते हैं। विनिर्माण और औद्योगिक क्षेत्रों में प्रस्तावित रणनीतिक हस्तक्षेपों का उद्देश्य चैंपियन एमएसएमई तैयार करना, दीर्घकालिक

स्थिरता सुनिश्चित करना, बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करना और भविष्य की वृद्धि के लिए शहरों के इकोसिस्टम को विकसित करना है। यह बजट गहन क्षेत्रीय विश्लेषण और तकनीकी तैयारी को भी दर्शाता है। बायो-फार्मा शक्ति परियोजना, सेमीकंडक्टर मिशन और बुनियादी ढांचे के लिए लक्षित समर्थन, वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी क्षमताओं के निर्माण के प्रति सरकार की गंभीरता को रेखांकित करते हैं। विनिर्माण से लेकर सेवाओं तक, कृषि से लेकर प्रौद्योगिकी तक, यह बजट लगभग हर वर्ग और क्षेत्र को संबोधित करता है, जिससे स्पष्ट होता है कि नीति निर्धारण से पहले विस्तृत होमवर्क किया गया है। कपड़ा क्षेत्र को इस बजट में बड़ा प्रोत्साहन मिला है—नेशनल फाइबर स्कीम, टेक्सटाइल क्लस्टर विकास और मेगा टेक्सटाइल पार्कों की स्थापना इसके प्रमुख उदाहरण हैं। महात्मा गांधी ग्राम स्वराज पहल के तहत खादी पर नया जोर एक उल्लेखनीय कदम है, जो

विरासत और आधुनिक आर्थिक प्रासंगिकता का सुंदर समन्वय प्रस्तुत करता है। साथ ही, 200 विरासत औद्योगिक क्लस्टरों का पुनरुद्धार पारंपरिक औद्योगिक ताकत को आधुनिक वैल्यू चेन से जोड़ने में सहायक होगा। एमएसएमई क्षेत्र के लिए यह बजट विशेष रूप से उत्साहजनक है। 10,000 करोड़ के एमएसएमई ग्रोथ फंड की घोषणा एक बड़ा और स्वागतयोग्य कदम है। इसके साथ आत्मनिर्भर भारत फंड, तरलता समर्थन, सीपीएसई के लिए टीआरआईडीएस को अनिवार्य निपटान मंच बनाना और सीजीटीएमएसई के तहत इनवॉइस डिस्काउंटिंग जैसी पहलें एमएसएमई को मजबूती देंगी। आईसीएसआई, आईसीएआई और आईसीएमए के माध्यम से टियर-2 और टियर-3 शहरों में कॉर्पोरेट मित्र विकसित कर पेशेवर सहयोग उपलब्ध कराना, एमएसएमई की शासन क्षमता और विकास को नई दिशा देगा।

आईआईटी बॉम्बे के पूर्व छात्रों ने 'प्रोजेक्ट एवरग्रीन' के जरिए रवा इतिहास

भारतीय उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर हासिल करते हुए, आईआईटी बॉम्बे ने आज 'प्रोजेक्ट एवरग्रीन' के पूरा होने की घोषणा की। यह पूरी तरह से पूर्व छात्रों द्वारा संचालित एक मुहिम है, जिसके माध्यम से संस्थान की छात्र आवास व्यवस्था (हॉस्टल्स) का कायाकल्प किया गया है। 200 करोड़ रुपये का फंड, तीन अत्याधुनिक हॉस्टल और रिकॉर्ड समय में पूरा हुआ निर्माण, इन वजहों से 'प्रोजेक्ट एवरग्रीन' ने पूर्व छात्रों के योगदान का वैश्विक स्तर पर एक नया मानक स्थापित किया है। इस नए परिसर में 282 कमरे और 9,929 बेड हैं, और यह 3,90,000 वर्ग फुट क्षेत्र में फैला हुआ है। यह आईआईटी बॉम्बे के इतिहास में अब तक का सबसे बड़ा आवासीय विकास प्रोजेक्ट है। साथ ही, इस प्रोजेक्ट को 'ग्रीन होम्स रेटिंग सिस्टम' के तहत प्रतिष्ठित आईजीबीसी गोल्ड रेटिंग मिली है। कैंपस में ऐसी रेटिंग हासिल करने वाली यह पहली इमारत बन गई है, जो टिकाऊ

बुनियादी ढांचे के प्रति संस्थान की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। इस पहल के बारे में बात करते हुए आईआईटी बॉम्बे के पूर्व निदेशक प्रो. सुभाषिष चौधरी ने कहा, "आवश्यकता ही आविष्कार की जननी है। हमारे बुनियादी ढांचे को तत्काल सुधार की आवश्यकता थी और यही वह समय था। यह एक जोखिम लेने जैसा था, लेकिन हमें अपने पूर्व छात्रों के जुनून और प्रतिबद्धता पर पूरा भरोसा था। यह प्रोजेक्ट केवल इमारतें नहीं, बल्कि सामूहिक शक्ति का प्रतीक है।" 'प्रोजेक्ट एवरग्रीन' की शुरुआत पूर्व छात्र स्वयंसेवकों और प्रो. चौधरी के बीच एक साधारण बातचीत से हुई। इसका नेतृत्व नारायण सुंदरेशन (निर्माण प्रमुख) और किरात पटेल (फंडरेजिंग मॉडल) ने किया। पटेल ने याद दिलाया कि शुरुआत में 26 चार्टर डोनर्स (सनदी दानदाताओं) की मदद से 8-5 करोड़ रुपये का डिजाइन चरण शुरू हुआ